11

यहाँ से वहाँ

रेलगाड़ी

आओ बच्चों खेल दिखाएँ,
छुक-छुक करती रेल चलाएँ।
सीटी देकर सीट पर बैठो,
एक-दूजे की पीठ पर बैठो।
आगे-पीछे, पीछे-आगे,
लाइन से लेकिन कोई ना भागे।
सारे सीधी लाइन में चलना,
दोनों आँखें मीचे रखना।
बंद आँखों से देखा जाए,
आँख खुले तो कुछ न पाए।

रेलगाड़ी, रेलगाड़ी, छुक-छुक छुक-छुक, छुक-छुक-छुक-छुक।
बीच वाले स्टेशन बोले, रुक-रुक-रुक-रुक, रुक-रुक-रुक-रुक।

तड़क-भड़क, लोहे की सड़क,
यहाँ से वहाँ, वहाँ से यहाँ।
छुक-छुक, छुक-छुक,
लाईट्स आती, पार कर जाती।
बालू रेत, आलू का खेत,
बाजरा धान, बुड्ढा किसान।
हरा मैदान, मंदिर मकान,
चाय की दुकान...

रेलगाड़ी, रेलगाड़ी, छुक-छुक छुक-छुक, छुक-छुक-छुक-छुक।
बीच वाले स्टेशन बोले, रुक-रुक-रुक-रुक, रुक-रुक-रुक-रुक।

पुल पगडंडी, टीले पे झंडी,
पानी का कुंड, पंछी का झुंड।
झोंपड़ी-झाड़ी, खेती-बाड़ी,
बादल धुआँ, मोठ कुआँ।
कुएँ के पीछे, बाग बगीचे,
धोबी का घाट, मंगल की हाट।
गाँव में मेला, भीड़ झमेला,
टूटी दीवार, टट्टू सवार...

रेलगाड़ी, रेलगाड़ी, छुक-छुक छुक-छुक, छुक-छुक-छुक-छुक।
बीच वाले स्टेशन बोले, रुक-रुक-रुक-रुक, रुक-रुक-रुक-रुक।

– हरेंद्रनाथ चट्टोपाध्याय की कविता के कुछ अंश

तो कैसी लगी यह कविता!

- क्या तुम रेलगाड़ी में बैठे हो? कब-कब?
- क्या रेलगाड़ी कहीं भी चल सकती है? क्यों?
- इस कविता में 'लोहे की सड़क' किसको कहा गया है?
- कविता में रेलगाड़ी कहाँ-कहाँ से होकर गई है? सूची बनाओ।

______________ ______________ ______________

______________ ______________ ______________

- तुम किस-किस वाहन पर बैठे हो? उनके नाम अपनी कॉपी में लिखो।

© NCERT not to be republished

आओ, तुम्हें कुछ बच्चों से मिलवाएँ और पता करें कि उन्होंने अपनी छुट्टियाँ कैसे बिताईं।

मैं चाचाजी के पास दिल्ली गई थी। रेलवे स्टेशन से उनके घर पहले तो 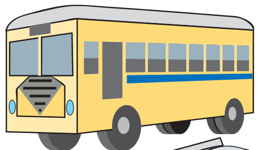 से जाते थे, पर इस बार तो मज़ा आ गया। हम में बैठ कर ज़मीन के नीचे सुरंग से होते हुए गए। सुरंग में जाते हुए अहसास ही नहीं हुआ कि ऊपर 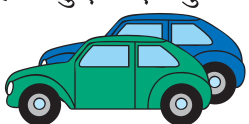 सरपट भाग रहीं होंगी।

मेरी तो बुआ की शादी थी। इतने सारे रिश्तेदार मिले। खूब खाया, पिया और खेले। बड़े भैया भी अमेरिका से आए थे में बैठकर। सोचो तो अजीब लगता है – इतनी दूर से आए, पर एक ही दिन में पहुँच गए। दुल्हन बनी बुआ को जब 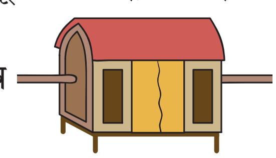 में ले जा रहे थे, वह बहुत सुंदर लग रहीं थी।

मैं अपनी नानी के घर केरल गई थी। वे जहाँ रहती हैं, आस-पास पानी ही पानी है। उनके घर जाने के लिए घूम कर जाते तो स्टेशन से 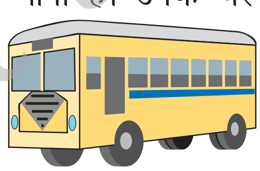 या 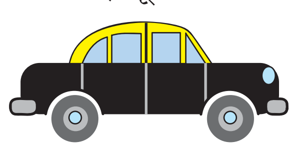 ले सकते थे। पर हम सीधे 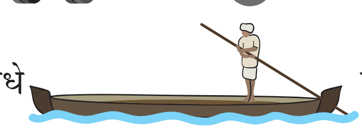 में गए। कुछ अजीब लगा पर अच्छा भी!

© NCERT not to be republished

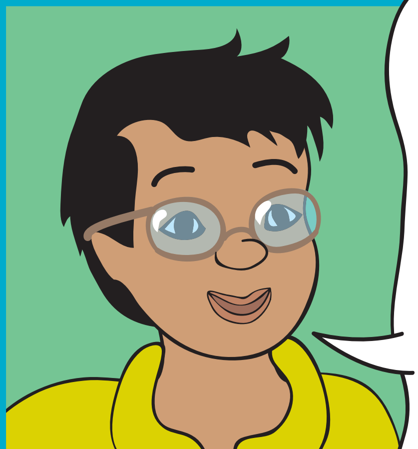

हम लोग छुट्टियों में शिमला घूमने गए। ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों पर जब टेढ़े-मेढ़े रास्तों से होकर 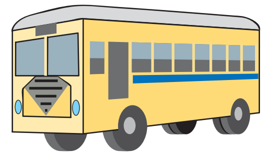 चलती है, तब नीचे देखकर बहुत डर लगता है। शिमला में हमें बहुत पैदल चलना पड़ा। मेरी दादी तो जल्दी ही थक जाती थी। हम उन्हें 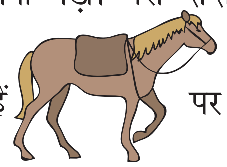 पर बिठा देते थे। मैं तो मज़े से पैदल चलता था। थकता भी नहीं था।

मेरी खाला तो मेरे घर के पास ही रहती है। जब भी खाला के पास जाने का मन करता है, मैं झट अपनी 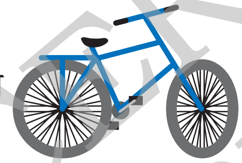 उठाती हूँ और पहुँच जाती हूँ उनके पास। माँ और छोटू तो पर बैठकर नानी के घर जाते हैं।

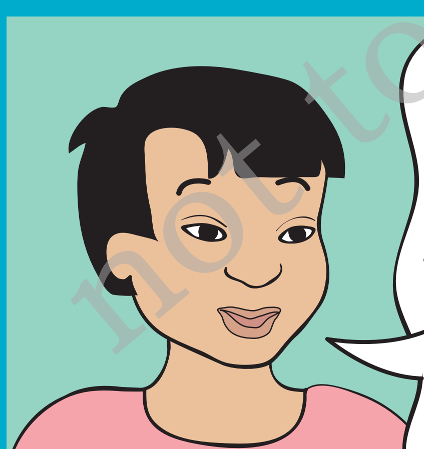

इन छुट्टियों में मैं अपने मामाजी के गाँव गया था। उनके गाँव तक तो कोई बस ही नहीं जाती। हम लोग रेलवे स्टेशन से 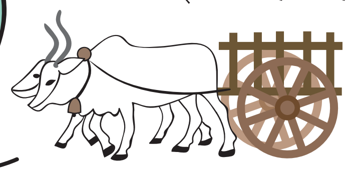 में बैठकर लहलहाते खेतों के बीच में से होकर गाँव तक गए। मुझे तो बैलों के गले में बंधी घंटियों की आवाज़ सुनना बहुत अच्छा लगा।

© NCERT not to be republished

* बच्चों ने किन-किन वाहनों के नाम लिए?

__________ __________ __________

__________ __________ __________

__________ __________ __________

* नीचे लिखी जगहों पर अपने घर से कैसे जाना चाहोगे? वाहन का नाम डिब्बे में लिखो।

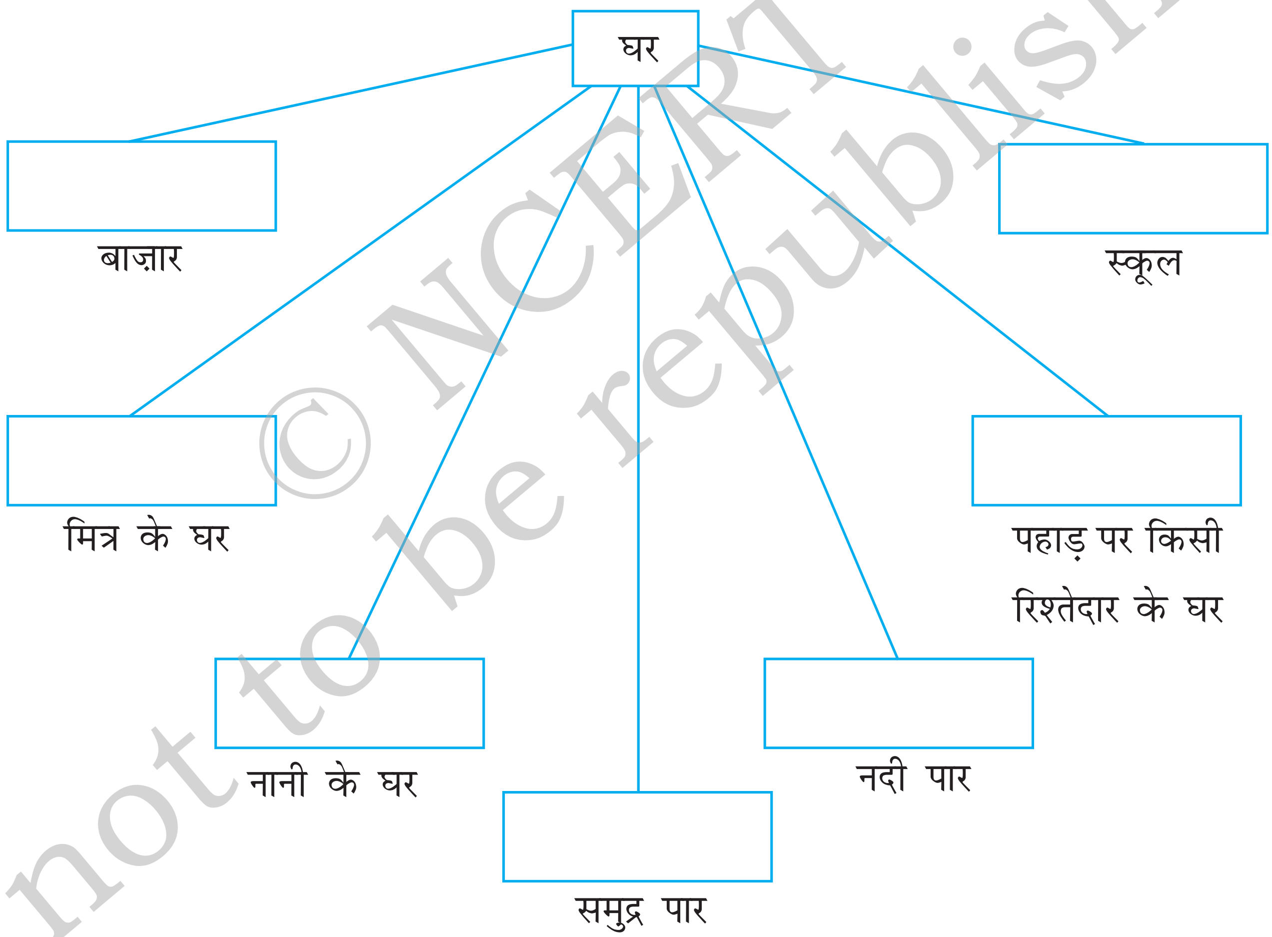

© NCERT not to be republished

बच्चों ने कई वाहनों को या तो वास्तव में या किताबों, फिल्मों आदि में देखा होगा। यह सभी अनुभव बच्चों से चर्चा करने में मदद कर सकते हैं।

कुछ वाहनों के चित्र बने हैं। चित्र के सामने उनके नाम तथा वे किस काम आते हैं लिखो। खाली जगह में अन्य वाहनों के चित्र बनाओ। उनके नाम और काम भी लिखो। क्या ये सभी वाहन केवल हमारे आने-जाने के काम आते हैं?

वाहन	काम
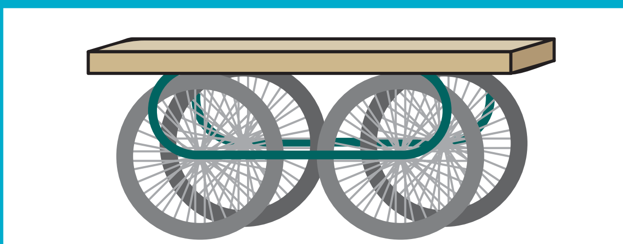	
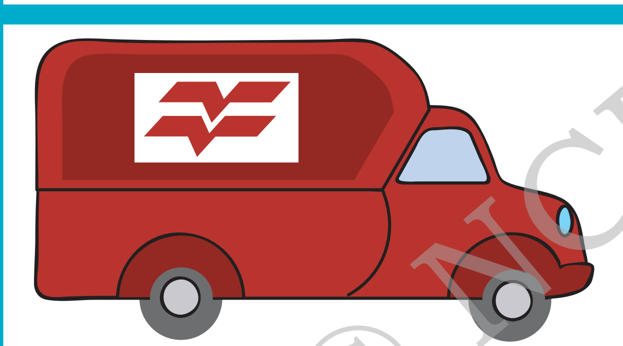	
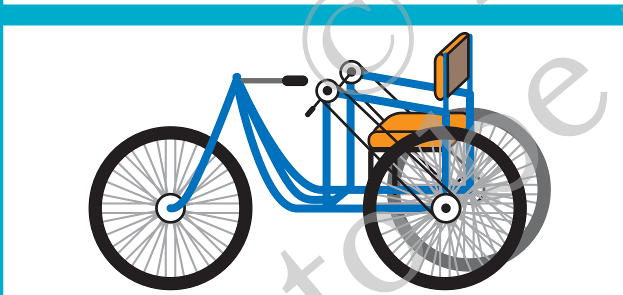	
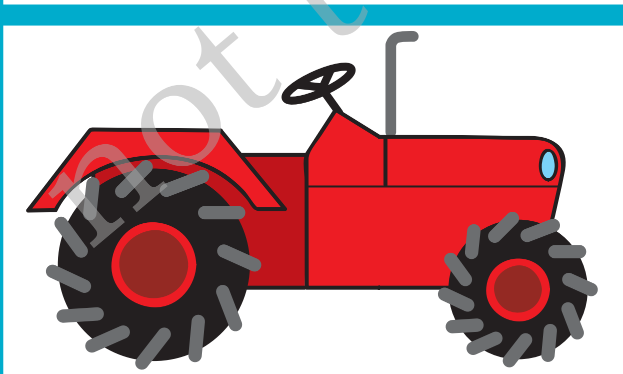	

© NCERT not to be republished

वाहन	काम
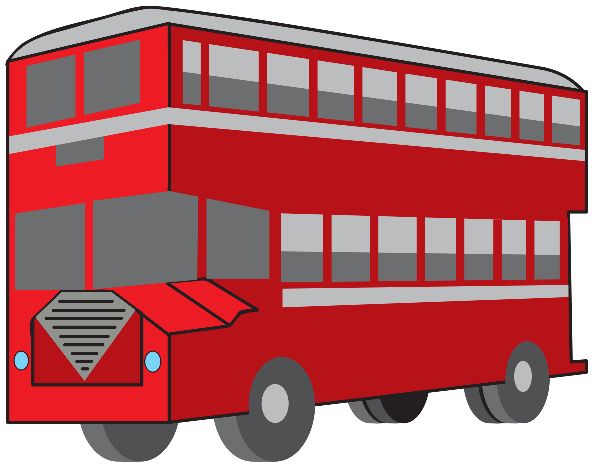	
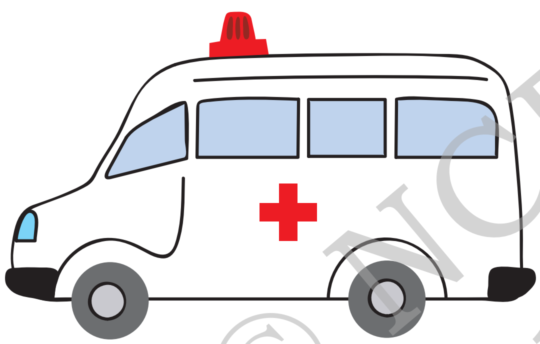	

© NCERT not to be republished

नीचे दिए चित्र में कुछ वाहनों के नाम लिखे हैं। तुम्हें हर वाहन को एक तरफ़ उसके पहिए की संख्या से जोड़ना है। दूसरी तरफ़ उसी वाहन को वह जिससे चलता है, उससे जोड़ना है।

© NCERT not to be republished

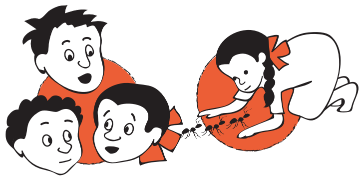

बड़ों से पूछ कर पता लगाओ – आज से पचास साल पहले लोग कैसे आते-जाते थे? क्या तब भी यही सब साधन थे?

क्या तुम अनुमान लगा सकते हो कि बीस साल बाद लोग आने-जाने के लिए किस-किस तरह के वाहन का प्रयोग करेंगे? अपने घर के लोगों और दोस्तों से पूछ कर दी गई तालिका भरो।

किससे पूछा	क्या कहा
स्वयं से (मैं)	______________
दोस्त	______________
चाचा	______________
शिक्षिका	______________
______________	______________
______________	______________
______________	______________
______________	______________
______________	______________
______________	______________
______________	______________

बड़ों से प्राप्त जानकारी पर आधारित चर्चा बच्चों को वाहनों में आए बदलावों को समझने में सहायता करेगी। किताब में बुर्ज़ुर्गों – नाना-नानी, दादा-दादी से इसीलिए बार-बार पूछने को कहा गया है ताकि उस समय के और अभी के बीच के अंतर को बच्चे पहचान सकें।

© NCERT not to be republished

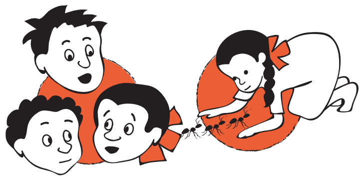

बड़ों से पूछ कर पता लगाओ – आज से पचास साल पहले लोग कैसे आते-जाते थे? क्या तब भी यही सब साधन थे?

क्या तुम अनुमान लगा सकते हो कि बीस साल बाद लोग आने-जाने के लिए किस-किस तरह के वाहन का प्रयोग करेंगे? अपने घर के लोगों और दोस्तों से पूछ कर दी गई तालिका भरो।

किससे पूछा	क्या कहा
स्वयं से (मैं)	
दोस्त	
चाचा	
शिक्षिका	

© NCERT not to be republished

बड़ों से प्राप्त जानकारी पर आधारित चर्चा बच्चों को वाहनों में आए बदलावों को समझने में सहायता करेगी। किताब में बुर्जुर्गों – नाना-नानी, दादा-दादी से इसीलिए बार-बार पूछने को कहा गया है ताकि उस समय के और अभी के बीच के अंतर को बच्चे पहचान सकें।

तुम्हारी अपनी रेलगाड़ी

दिए गए चित्र की मदद लेकर माचिस से रेलगाड़ी बनाओ।

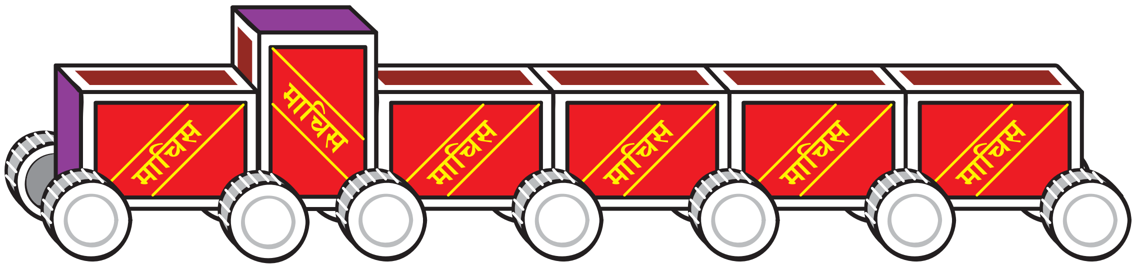

अगर कोई छुक-छुक की आवाज़ करे तो तुम झटपट पहचान ही जाते हो कि वे रेलगाड़ी के लिए कह रहें हैं।

क्या तुम इन आवाज़ों से वाहन को पहचान सकते हो? लिखो।

छुक-छुक –	रेलगाड़ी	पीं-पीं –	____________
पौं-पौं –	____________	टप-टप –	____________
घर्र-घर्र –	____________	ट्रिन-ट्रिन –	____________

- यह तो थी एक-एक वाहन की आवाज़। जब सड़क पर एक साथ कई वाहन आवाज़ें करते हुए चलते हैं, तो कैसा लगता है? मचता है न कितना शोर!
- तुमने सबसे ज़्यादा शोर कहाँ सुना है?
- क्या तुम्हें इतना शोर अच्छा लगता है? क्यों?

रेलगाड़ी का मॉडल बनाने के लिए माचिस के अलावा टिन के डिब्बे भी इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं और पहिए बोतल के ढक्कन या बटन से भी बनाए जा सकते हैं।

© NCERT not to be republished

❇ चित्र में तुम्हें क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

❇ तुम्हें कौन-कौन से वाहन दिखाई दे रहे हैं?

❇ ये वाहन क्या-क्या काम कर रहे हैं?

चित्र की मदद से आपातकालीन स्थितियों पर चर्चा की शुरुआत की जा सकती है।

© NCERT not to be republished

ऊपर के खानों को देखकर नीचे उन्हें क्रम से बनाओ और रंग भरो। देखो क्या बनता है! उसका नाम भी लिखो।

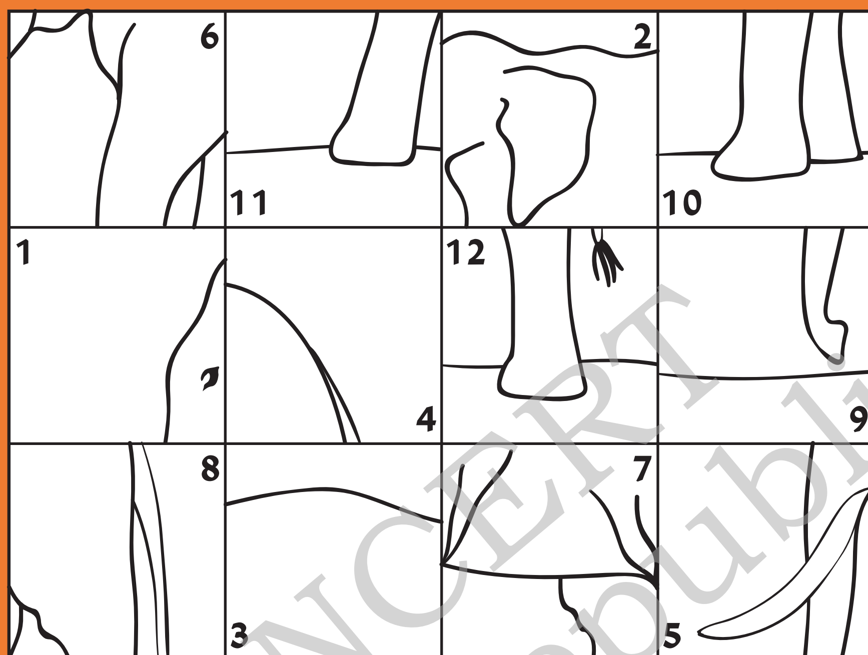

© NCERT not to be republished